मानव विकास की नई अटकल

दस साल पहले की बात है एक दिन रिचर्ड रैन्गहैम अपने घर में अलाव के सामने लेटे-लेटे मानव विकास के बारे में विचार कर रहे थे। रैन्गहैम हार्वर्ड में जैविक मानव विज्ञान के प्राध्यापक हैं और मानव विकास के बारे में सोचना उनका शगल है।

अधिकतर मानव विज्ञानी इस बात से तो सहमत हैं कि आग ने मानव विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है लेकिन इससे भी आगे जाकर रैन्गहैम बहुत ही नाटकीय निष्कर्ष पर पहुंचे हैं। वे कहते हैं कि भोजन पकाना मानव विकास का सिर्फ एक हिस्सा नहीं है बल्कि इसी ने हमें मानव बनाया है।

उनकी शीघ्र प्रकाश्य पुस्तक का विषय यही रैन्गहैम सिद्धांत है। इसमें वे कहते हैं कि आग पर नियंत्रण और पका हुआ भोजन वह चीज़ है जिसके चलते 18 लाख साल पहले *होमो इरेक्टस* का उद्भव संभव हुआ था। उनकी दलील है कि पकाने के बाद भोजन को जल्दी-जल्दी और आसानी से खाया जा सकता है। साथ ही इससे अधिकतम कैलोरी प्राप्त करने में भी मदद मिलती है। वे आगे कहते हैं कि इसी अतिरिक्त पोषण ने *होमो इरेक्टस* को अपने पूर्वजों से ज़्यादा बड़ा डील-डौल और अपेक्षाकृत बड़ा दिमाग दिया। इसके अलावा पके हुए भोजन का ही नतीजा है कि आहार नाल और दांत भी छोटे होते गए।

रैन्गहैम यह बात अच्छी तरह जानते हैं कि उनका सिद्धांत मानव विज्ञान के परम्परागत सिद्धांत के खिलाफ जाता है। फिलहाल मान्य सिद्धांत यह है कि मांस भक्षण ने *होमो इरेक्टस* को जन्म दिया। रैन्गहैम कहते हैं कि यह बात मानव विकास के प्रथम चरण के लिए सही हो सकती है जिसके द्वारा लगभग 25 लाख साल पूर्व *आस्ट्रैलोपिथकस* से *होमो हैबिलिस* का विकास हुआ था। लेकिन यह अगले चरण के लिए सही नहीं है। दूसरी प्रजाति, जो लगभग दस लाख वर्षों के बाद आई, वह अधिक बड़े शरीर, विकसित दिमाग एवं छोटे दांतों वाली *होमो इरेक्टस* थी। रैन्गहैम कहते हैं कि अगर कच्चा मांस खाने से यह संभव हुआ तो ये छोटे दांत कच्चा मांस खाने में कैसे सक्षम हो सकते हैं यह समझ से परे है।

हार्वर्ड में पुरातत्व विज्ञान के प्राध्यापक ओफर बार योसेफ का कहना है कि रैन्गहैम की बात के समर्थन में कोई सबूत नहीं है। उस काल में न तो जली हुई हड्डियां मिलती हैं, न आग के स्थान के अवशेष हैं और न ही कोई अन्य साक्ष्य जो 8 लाख साल पहले आग का उपयोग दर्शाता हो।

इस बात से तो कोई असहमत नहीं है कि भोजन को पकाने की खोज ने मानव विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है पर मतभेद इस बात पर है कि इसकी शुरुआत कब से हुई। यदि आप कहते हैं कि आग का उपयोग 18 लाख बरस पहले शुरू हुआ था, तो आपको इसके पक्ष में साक्ष्य जुटाने होंगे। तो लगता है कि यह रैन्गहैम की कल्पना के घोड़े ही हैं जो उन्होंने आग तापते हुए दौड़ाए हैं।

(स्रोत फीचर्स)